पत्रकारिता में स्व सेवा का भाव सर्वोपरि

1111 गुलाब के फूलों से बना गुलदस्ता ब्र.कु. सूर्य, ब्र.कु. गंगाधर तथा ब्र.कु. अनुज को देकर उनका स्वागत करते हुए ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके तथा ब्र.कु. निर्मला। साथ हैं अहमदनगर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मन्सूर शेख, महेश देशपांडे तथा अन्य।

अहमदनगर-महा.। अहमदनगर के बी.एस.आर.डी. ग्रामीण विकास अध्ययन केन्द्र में अहमदनगर प्रेस क्लब के साथ ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पत्रकारों तथा पत्रकारिता कर रहे छात्रों हेतु एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में प्रेस क्लब अध्यक्ष मन्सूर शेख तथा उनके प्रेस के सदस्य शामिल थे। इस कार्यक्रम हेतु प्रमुख रूप से माउण्ट आबू से राजयोगी ब्र.कु. सूर्य तथा ओमशान्ति मीडिया के संपादक ब्र.कु. गंगाधर एवं दिल्ली से मोटिवेशनल ट्रेनर व जर्नलिस्ट ब्र.कु. अनुज उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में ब्र.कु. अनुज ने मन की प्रोग्रामिंग की बात की, तथा मन को शक्तिशाली बनाने हेतु कुछ विधियाँ बताईं।

ब्र.कु. गंगाधर ने कहा कि पत्रकारिता के द्वारा हम सबकी सेवा करते हैं, अगर हम स्वयं की सेवा करें तो हम शक्तिशाली बन सकते हैं।

राजयोगी ब्र.कु. सूर्य ने कहा कि हम जिस भाव से लिखते हैं, लोग उसी भाव से उसे पढ़ते हैं। आप यदि सकारात्मक भाव से लिखें तो सभी के अंदर सकारात्मकता आयेगी।

ब्र. कु. अनुज ने माइंड मैनेजमेंट विषय पर सभी की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग कराई। कार्यक्रम में डॉ. दीपक हरके ने सभी को संस्था द्वारा की जा रही सेवाओं से अवगत कराया। ब्र.कु. निर्मला ने अपने आशीर्वचन दिये।

स्मरणांजलि में स्मरण किया गया ओम प्रकाश भाईजी की सेवाओं को

विश्व शांति के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान का प्रयास सराहनीय- डॉ. नरेन्द्र धाकड़

इंदौर। वर्तमान समय पूरे देश में अशान्ति और अव्यवस्था व्याप्त है। ऐसे समय में विश्व शांति के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान का प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उक्त विचार देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नरेन्द्र कुमार धाकड़ ने इंदौर ज़ोन के संस्थापक ब्र.कु. ओमप्रकाश भाई जी की प्रथम पुण्यतिथि पर ज्ञान शिखर न्यू पलासिया में आयोजित स्मरणांजलि में व्यक्त किये। ही ब्रह्माकुमारी संस्थान के लिए हुआ था। उन्होंने कहा कि ईश्वर की पहचान न होने के कारण विश्व में अनेक समस्याएँ पैदा हो रही हैं। भाई जी ने अकेले दो हज़ार से ज़्यादा बाल ब्रह्मचारी तपस्वी बहनों को इस कार्य के लिए तैयार किया, जो कि बहुत बड़ी उपलब्धि है।

मुम्बई से आईं उद्योग एवं व्यापार प्रभाग की राष्ट्रीय समन्वयक ब्र.कु. योगिनी की स्थापना कर अनेक छात्राओं का जीवन श्रेष्ठ बनाने का कार्य किया।

दिव्य जीवन कन्या छात्रावास की नन्हीं बालिकाओं ने भावपूर्ण नृत्य नाटिका का किया प्रदर्शन

प्रारम्भ में दिव्य जीवन कन्या छात्रावास की नन्हीं बालिकाओं ने ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश भाईजी के जीवन एवं कृतृत्व पर आधारित बहुत ही भावपूर्ण नृत्य नाटिक प्रस्तुत कर सबको झकझोर दिया। नृत्यनाटिका के बीच-बीच में बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत आकर्षक नृत्य ने सबको बार-बार ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। समारोह में दुर्ग छ.ग. से आए ब्र.कु. युगरत्न ने सुमधुर गीत गाकर सबको भावविभोर कर दिया। समारोह में पूर्व महापौर श्रीमति उमा शशि शर्मा, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष कृपा शंकर शुक्ल, क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला, ब्र.कु. हेमलता, वरिष्ठ पत्रकार कमल दीक्षित ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. अनीता ने किया।

स्मरणांजलि कार्यक्रम के दौरान कैलेण्डर तथा पुस्तक का विमोचन करते हुए डॉ. नरेन्द्र कुमार धाकड़, ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. योगिनी, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. कमला, ब्र.कु. हेमलता, वरिष्ठ पत्रकार कमल दीक्षित, ब्र.कु. कमला, ब्र.कु. हेमलता तथा अन्य।

उन्होंने भाईजी का स्मरण करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में ब्रह्माकुमारी संस्थान ने बहुत तरक्की की है। इस संस्थान के माध्यम से उन्होंने समाज की भलाई के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। जो शिक्षा भाईजी ने अपने जीवन में दिया है, उस पर चलना ही उन्हें हमारी ओर से सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

माउण्ट आबू से आए मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा ने कहा कि ओमप्रकाश भाई जी ने इंदौर में जो साधना की है, उसका लाभ हम लोग ले रहे हैं। ऐसा लगता है कि भाई जी का जन्म ने कहा कि दुनिया में करोड़ों लोग पैदा होते हैं, किन्तु उनमें कुछ लोग ही ऐसे होते हैं जो कि अपने श्रेष्ठ कार्यों से अपना नाम अमर कर जाते हैं। भाई जी ऐसे ही महान विभूति थे। उनके हर कार्य में परिपूर्णता दिखाई देती थी।

ब्रह्माकुमारी संस्थान के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि ओमप्रकाश भाईजी का जीवन अत्यन्त प्रेरणादायी था। उनका व्यक्तित्व इतना चुम्बकीय था कि वह अपने सम्पर्क में आने वालों को अपना बना लेते थे। वे दूरदर्शी व्यक्ति थे, उन्होंने शक्तिनिकेतन छात्रावास

मन की सुखद अवस्था का नाम ही 'शान्ति'

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। स्व-परिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन संभव है। हमारे जीवन में जो परिवर्तन होता है, उसका ही प्रभाव दूसरों पर पड़ता है। एक अच्छा डॉक्टर एक अच्छा हीलर भी होता है। जितना वो सकारात्मक ऊर्जा से भरा हुआ होगा, उतनी ही बीमारी जल्दी ठीक हो सकती है। उक्त विचार सुप्रसिद्ध जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ **ब्र.कु. शिवानी** ने ओ.आर.सी. में डॉक्टर्स के लिए 'ब्लेसिंग साइंस विद् स्पीरिच्युअलिटी' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि आज हम शरीर के आधार से एक-दूसरे को जानते हैं और उनसे लेन-देन करते हैं। लेकिन हमें मन की शुभ एवं शुद्ध भावनाओं से आपस में जुड़ना है। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त सचिव **ब्र.कु. बृजमोहन** ने कहा कि संसार में हर चीज़ स्वयं तथा दूसरों के हित के लिए बनी है। तो हम सभी मिलकर जब उनका सदुपयोग करेंगे तो हमें तथा दूसरों को भी स्वाभाविक रूप से खुशी होती है।

ओ.आर.सी. निदेशिका **ब्र.कु. आशा** ने कहा कि हमारी शक्तियों का विकास तभी होता है जब हम भीतर से शांत रहते हैं। आंतरिक शान्ति हमें स्वयं से परिचित कराती है। शांति आत्मा का मूल गुण है। कार्यक्रम में विशेष रूप से मुम्बई से आए मोटिवेशनल स्पीकर **प्रो. स्वामीनाथन** ने कहा कि जब भी हम किसी से मिलें तो एक सकारात्मक ऊर्जा के साथ मिलें। जीवन की इस यात्रा में हम अपने साथ सिर्फ यही पॉज़ीटिव ऊर्जा लेकर जाते हैं। लोकनारायण जयप्रकाश अस्पताल की निदेशिका एवं **प्रो. डॉ. सुधा प्रसाद** ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से एक नई ऊर्जा मिलती है। हमारा देश जो एक महान राष्ट्र रहा है, उसके लिए फिर से आध्यात्मिक सशक्तिकरण की आवश्यकता है।

दिल्ली इन्द्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल की वरिष्ठ सलाहकार व स्त्रीरोग विशेषज्ञ **डॉ. उर्मिल शर्मा**, बी.आई.एस.आर. की वरिष्ठ सलाहकार व स्त्रीरोग विशेषज्ञ **डॉ. वी.एल. भार्गव** तथा **डॉ. मंजू गुप्ता** ने भी अपने विचार व्यक्त किये। माउण्ट आबू से आये संस्था के मेडिकल विंग के अध्यक्ष **ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह** ने अपने शब्दों द्वारा सभी का स्वागत किया। दिल्ली से आईं ब्र.कु. मोनिका ने संस्था का परिचय दिया। कार्यक्रम में कार्यशाला के साथ-साथ अनेक विषयों पर भी जानकार वक्ताओं द्वारा चर्चा की गई।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । **विदेश** - 2500 रुपये (वार्षिक) **कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएवल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।**

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Jan 2017
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।